राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

बुद्ध का जीवन आज भी समस्त मानव जाति के लिए एक प्रकाशपुंज है :अम्बरीष

हरदोई। शिव सत्संग मण्डल के अम्बरीष कुमार सक्सेना के अनुसार बुद्ध पूर्णिमा एक पावन और महत्वपूर्ण त्योहार है जो महात्मा गौतम बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बोधि) और महापरिनिर्वाण के अवसर पर मनाया जाता है। यह पर्व वैशाख मास की पूर्णिमा को आता है और विशेष रूप से धर्म अध्यात्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पूज्यनीय होता है। इस दिन का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व अत्यधिक है। गौतम बुद्ध का जन्म लगभग 563 ईसा पूर्व में वर्तमान नेपाल के लुंबिनी नामक स्थान पर हुआ था। उनका वास्तविक नाम सिद्धार्थ गौतम था। वे शाक्य वंश के राजा शुद्धोधन के पुत्र थे। विलासपूर्ण जीवन के बावजूद उन्होंने संसार के दुःख, रोग, वृद्धावस्था और मृत्यु को देखकर वैराग्य धारण किया।

वर्ष – 03 | अंक – 262 | जौनपुर | सोमवार, 12 मई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

नया भारत आतंकवादियों को खोजकर खत्म कर देगा, चाहे वे कहीं भी छिपे हों : असम के मुख्यमंत्री

असम, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दिखा दिया है कि 'नया भारत' आतंकवादियों को खोजकर उन्हें मार गिराएगा। शर्मा ने ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों का सफाया करने तथा पाकिस्तान में महत्वपूर्ण सैन्य एवं आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए सशस्त्र बलों की सराहना की। मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि वह दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यता को परिपक्वता से नेतृत्व दे रहे हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे भारत की वैश्विक ताकत के रूप में उभरती भूमिका के बारे में जनता को जागरूक करें। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कुछ देर पहले हमारे डीजीएमओ द्वारा दी गई शानदार जानकारी को सुनने के बाद हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और हमारी वीर सेना के असाधारण नेतृत्व के प्रति आभारी हैं। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर में 100 से अधिक पाकिस्तानी आतंक वादियों को खत्म किया है और दुश्मन के महत्वपूर्ण सैन्य और आतंकी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है। यह अब निर्विवाद सबूतों के साथ सामने है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह एक मजबूत संदेश है कि नया भारत आतंकवादियों को जमीन, हवा या समुद्रकहीं भी छिपे हों, ढूंढ़कर खत्म करेगा।

ममता ने संताली लेखक रघुनाथ मुर्मू की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को संताली लेखक और शिक्षक पंडित रघुनाथ मुर्मू की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने संतालियों के प्रति मुर्मू के योगदान के सम्मान में उनकी जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''प्रसिद्ध भाषाविद् और 'ओलचिकी' लिपि के आविष्कारक पंडित रघुनाथ मुर्मू को उनकी जयंती पर मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि।'' मुर्मू एक लेखक थे जिन्होंने संताली के लिए 'ओलचिकी' लिपि विकसित की थी। संताली लोगों के पास 19वीं शताब्दी तक लिखने की कोई नहीं थी, जिसके कारण एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान और जानकारी मौखिक रूप से प्रसारित होती थी। बनर्जी ने कहा, ''यह हमारे लिए गर्व की बात है कि मेरे संताल भाइयों और बहनों के लिए उनके असाधारण योगदान को मान्यता देते हुए हमारी सरकार ने उनकी (मुर्मू की) जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। इस मार्गदर्शक कदम का अब अन्य जगहों पर भी अनुसरण किया जा रहा है। हमने एक कॉलेज का नाम भी उनके नाम पर रखा है।'' उन्होंने कहा, ''मैं एक बार फिर उन्हें आदर के साथ नमन करती हूं।

बरसात से पहले करा लें विकास परियोजनाओं का ज्यादा से ज्यादा निर्माण कार्य : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बारिश से पहले सभी प्रमुख सरकारी निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं का ज्यादा से ज्यादा काम मुकम्मल कर लेने की हिदायत दी। राज्य सरकार द्वारा जारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री रविवार शाम गोरखनाथ मंदिर के सभा कक्ष में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जिले में निर्माणाधीन सभी प्रमुख विकास परियोजनाओं की अद्यतन प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि हर परियोजना की उस विभाग स्तर पर और उसके बाद वरिष्ठ प्रशासनिक स्तर पर 15 दिन की अवधि में पर्यवेक्षण और समीक्षा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर विकास परियोजना की एक समयसीमा तय होती है और उसे उसी अवधि में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाना सुनिश्चित किया जाए तथा इसमें किसी भी स्तर पर उदासीनता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आदित्यनाथ ने कहा कि यह व्यावहारिक रूप से समझना होगा कि बरसात का मौसम शुरू होने पर खुले में होने वाला निर्माण कार्य प्रभावित होता है, इसलिए विकास की जितनी भी परियोजनाओं पर काम चल रहा है उनसे संबंधित ज्यादा से ज्यादा निर्माण कार्य बरसात से पहले पूरे कर लिए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी माह के दूसरे पखवाड़े में बरसात का समय शुरू हो सकता है तथा ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि बरसात होने पर कहीं भी जलभराव न होने पाए। उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में काफी अच्छा काम हुआ है और इसे लगातार उत्कृष्टता की ओर ले जाने की आवश्यकता है।

पीएम मोदी की अहम बैठक, रक्षा मंत्री, एनएसए डोभाल, सीडीएस और तीनों सेना के प्रमुख मौजूद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान और सेना, वायुसेना और नौसेना प्रमुखों के साथ की जा रही उच्च स्तरीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल हुए हैं। यह बैठक संघर्ष विराम पर भारत–पाकिस्तान डीजीएमओ स्तर की वार्ता से ठीक एक घंटे पहले हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आवास पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीए अनिल चौहान और सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुखों के साथ अहम बैठक कर रहे हैं। संघर्ष विराम के भविष्य पर फैसला करने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच डीजीएमओ वार्ता दोपहर में होगी। पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने का पीएम मोदी का वादा भारतीय सशस्त्र बलों ने पूरा

किया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पीएम ने वादा किया था कि हम 26 लोगों की मौत का बदला लेंगे। पात्रा ने कहा कि पीएम ने कहा था कि बदला दुश्मन की कल्पना से परे होगा और ऐसा ही हुआ। उन्होंने यह भी कहा था कि मिट्टी में मिलाएंगे और घुस के मारेंगे, हमने वही किया। पीएम मोदी के फैसले और हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी ने सुनिश्चित किया कि आतंकी स्थल मलबे में तब्दील हो जाएं...22 अप्रैल से 7 मई तक देश में तनाव का माहौल थाय तत्काल कार्रवाई की मांग थी। बीजेपी एमएमपी ने कहा कि अतीत में सर्जिकल स्ट्राइक के बावजूद पाकिस्तान यह अनुमान नहीं लगा पाया कि उस पर कब हमला होगा। भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने सोमवार को भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की और पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा पर लोगों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन हमेशा विश्व समुदाय को करुणा और शांति के लिए प्रेरित करता रहेगा। अहम ये हो जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी का संदेश सीमा पर तनाव कम करने के मकसद से भारत और पाकिस्तान के सीजफायर समझौते के बाद आया है। पिछले हफ्तेभर में भारत और पाकिस्तान लगभग जंग के मुहाने पर आकर खड़े हो गए थे, यहां से प्रधानमंत्री मोदी की सहमति के बाद सीजफायर लागू हुआ और सोमवार की रात सीमाई इलाकों में शांति के साथ गुजरी। इस बीच बुद्ध पूर्णिमा पर पीएम मोदी ने श्ग्श पर एक पोस्ट में लिखा– श्बुद्ध पूर्णिमा पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं। सत्य, समानता और सद्भाव के सिद्धांतों पर आधारित भगवान बुद्ध के संदेश मानवता के लिए मार्गदर्शक रहे हैं। त्याग और तपस्या को समर्पित उनका जीवन हमेशा विश्व समुदाय को करुणा और शांति के लिए प्रेरित करता रहेगा। सभी देशवासियों को बुद्ध पूर्णिमा की ढेरों शुभकामनाएं। सत्य, समानता और सद्भाव के सिद्धांत पर आधारित भगवान बुद्ध के संदेश मानवता के पथ–प्रदर्शक रहे हैं। त्याग और तप को समर्पित उनका जीवन विश्व समुदाय को सदैव करुणा और शांति के लिए प्रेरित करता रहेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के लोगों और दुनिया भर में भगवान बुद्ध के अनुयायियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा– बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर मैं सभी देशवासियों और दुनिया भर में भगवान बुद्ध के अनुयायियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। करुणा के अवतार भगवान बुद्ध की ओर से दिया गया अहिंसा, प्रेम और दया का अमर संदेश मानव जाति के कल्याण का मूल मंत्र है। उनके आदर्श समानता, सद्भाव और सामाजिक न्याय के शाश्वत मूल्यों में हमारी आस्था को मजबूत करते हैं। उनकी शिक्षाएं हमें नैतिकता पर आधारित जीवन जीने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और एक शांतिपूर्ण, सामंजस्यपूर्ण और विकसित भारत के निर्माण में योगदान दें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भगवान बुद्ध का जीवन ज्ञान, करुणा और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। शाह ने एक्स पर पोस्ट किया, बुद्ध पूर्णिमा की सभी को शुभकामनाएं। ज्ञान, करुणा और अहिंसा के मार्ग पर चलकर मानव समाज को समानता और एकता का संदेश देने वाले भगवान बुद्ध का जीवन विचार, शब्द और कर्म का संगम है।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में बुलाई जाए सर्वदलीय बैठक : प्रमोद तिवारी

लखनऊ, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खत की बात को दोहराते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद प्रमोद तिवारी ने मांग की है कि पीएम मोदी की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। सोमवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में पीएम मोदी शामिल नहीं हुए थे। सीजफायर जिस तरह से किया गया है, हमें बेहद दुख है। इसीलिए हम मांग करते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की जाए और भारतीय संसद का सत्र बुलाया जाए। सरकार बताए कि किन परिस्थितियों में सीजफायर करना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि युद्ध जैसी स्थिति में, ऐसे महत्वपूर्ण समय में, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सरकार के साथ हैं। भारतीय सेना की प्रेस ब्रीफिंग पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैं भारतीय सेना को सलाम करता हूं, उनकी बहादुरी, अनुशासन और समर्पण वाकई सराहनीय है। हमने हमेशा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारतीय सेना का समर्थन किया है और करते रहेंगे। मैं उनके साहस और वीरता को नमन करता हूं और सेना आपसे जो भी कहे, मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि अपना जज्बा जिंदा रखिए। कांग्रेस नेताओं की ओर से पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की फोटो पोस्ट करने पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि कल मदर्स डे था। इंदिरा गांधी बहुत याद आईं। 1971 में अमेरिका ने उन्हें रोकने की कोशिश की। लेकिन, इंदिरा गांधी नहीं रुकीं।

जो कभी पत्थर फेंकते थे, वो आज भाजपा में हैं : मंत्री नितिन गडकरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को एक कार्यक्रम में अपने राजनीतिक सफर की पुरानी बातें साझा कीं। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने राजनीति की शुरुआत की थी, तब कुछ लोग उनके घर पर रोज पत्थर फेंकते थे, लेकिन समय बदला और आज वही लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए हैं। गडकरी स्थानीय भाजपा नेता रामदास आंबटकर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कठिन समय में भी भाजपा कार्यकर्ताओं की निष्ठा और मेहनत पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आरएसएस के पूर्व सरसंघचालक बालासाहेब देवरस के एक भाषण का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, दुर्लभ कार्यकर्ता ही संगठन की सबसे बड़ी

शक्ति होता है।'' गडकरी ने कहा कि आरएसएस में बड़ी संख्या में ऐसे समर्पित कार्यकर्ता हैं, जिनकी बदौलत संगठन ने सफलतापूर्वक लगभग 100 वर्ष पूरे किए हैं। उन्होंने कहा कि ये कार्यकर्ता हमेशा अपनी विचारधारा और राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हैं। गडकरी ने राजनीति में अपने शुरुआती दिनों को भी याद किया। उन्होंने कहा कि 1975 में जब मैं नागपुर क्षेत्र में भाजपा के लिए काम कर रहा था, तो मेरे इलाके के कुछ लोग अक्सर मेरे घर पर पत्थर फेंकते थे। गडकरी ने कहा कि समय के साथ तथा उनमें से एक तो बाद में भाजपा का वार्ड अध्यक्ष भी बना। गडकरी ने भाजपा और आरएसएस में योगदान के लिए दिवंगत आंबटकर और उनके परिवार की सराहना की।

नेपाल सीमा से सटे जिलों में 350 से अधिक 'अवैध धार्मिक स्थलों' पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने नेपाल सीमा से सटे जिलों में सरकारी व निजी भूमि पर 'अवैध' धार्मिक स्थलों के खिलाफ बड़ा अभियान शुरू करते हुए पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों मदरसों, मस्जिदों, मजारों और ईदगाह को चिह्नित कर उन्हें सील करने और ढहाने की कार्रवाई की है। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अवैध कब्जों और बिना मान्यता के संचालित किये जा रहे धार्मिक संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई रविवार को भी जारी रही। बयान के अनुसार, " प्रदेश के पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, बहराइच, सिद्धार्थनगर और महराजगंज जिलों में प्रशासन द्वारा अवैध धार्मिक स्थलों को चिह्नित कर उन पर प्रशासन ने कार्रवाई की है।" बयान में बताया गया कि मुख्यमंत्री योगी का साफ निर्देश है कि किसी भी धर्म के नाम पर भूमि पर अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियमों की अनदेखी करने वालों पर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। बयान के मुताबिक, "श्रावस्ती में 10 व 11 मई को सार्वजनिक और निजी भूमि पर अवैध रूप से निर्मित 104 मदरसों, एक मस्जिद, पांच मजारों और दो ईदगाहों को चिह्नित किया गया। इन सभी को नोटिस देने के साथ ही सील

कर दिया गया।" बयान में बताया गया कि इसके अलावा सार्वजनिक भूमि पर स्थित एक अवैध मदरसे को ढहा दिया गया जबकि निजी भूमि पर बने दो गैर मान्यता प्राप्त मदरसों को सील कर दिया गया। बयान के अनुसार, बहराइच, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर और पीलीभीत में अब तक सार्वजनिक भूमि पर बनी अवैध मस्जिदों को चिह्नित कर नोटिस जारी किया गया है।

10 मई के समझौते के उल्लंघन के लिए पाकिस्तान के डीजीएमओ को हॉटलाइन संदेश भेजा गया

नई दिल्ली, (एजेंसी) |सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने के बीच बनी सहमति के 'उल्लंघन' को उजागर किया गया और बताया गया कि अगर बाद में इस तरह की

बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने रविवार को अपने पाकिस्तानी समकक्ष को 'हॉटलाइन' पर एक संदेश भेजा, जिसमें एक दिन पहले दोनों सेनाओं हरकत दोहराई गयी तो भारत इसका 'कठोर और स्पष्ट' तरीके से जवाब देगा। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनने के कुछ घंटों बाद ही नई दिल्ली ने शनिवार को इस्लामाबाद पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शनिवार देर रात संवाददाताओं को बताया था कि पाकिस्तान से इन उल्लंघनों को समाप्त करने के लिए उचित कदम उठाने और स्थिति से 'गंभीरता और जिम्मेदारी' के साथ निपटने का आह्वान किया गया। डीजीएमओ ने यहां संवाददाताओं से कहा, "कल (शनिवार) रात और आज (रविवार) सुबह इन उल्लंघनों का मजबूती से जवाब दिया गया और उनसे उसी तरह निपटा गया जैसा कि होना चाहिए।" लेफ्टिनेंट जनरल घई ने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने अब तक 'बहुत संयम' बरता है और 'हमारी कार्रवाई केंद्रित, नपी–तुली और गैर–उकसावे वाले रही है'। उन्होंने कहा, "हालांकि, हमारे नागरिकों की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा के लिए किसी भी खतरे का निर्णायक बल के साथ सामना किया जाएगा।" डीजीएमओ ने कहा, "हमने आज (रविवार को) पहले अपने समकक्ष को 'हॉटलाइन' पर एक और संदेश भेजा, जिसमें 10 मई को डीजीएमओ के बीच सहमति के उल्लंघनों पर प्रकाश डाला गया । और कहा कि अगर आज रात, बाद में या उसके बाद ऐसा दोहराया जाता है।

उद्धव ठाकरे ने सीज फायर को लेकर उठाए सवाल, सामना में ट्रंप की भूमिका पर जताया संदेह

मुंबई, (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) ने भारत–पाक संघर्ष में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के श्हस्तक्षेपश और संघर्ष विराम की घोषणा पर संदेह किया है। मुखपत्र सामना में पार्टी के मुखिया उद्धव ठाकरे ने तीखा प्रहार करते हुए पूछा है क्या कोई सौदा हुआ है? उन्होंने सीधा सवाल किया कि आखिर ट्रंप को ये हक किसने दिया? संपादकीय में लिखा है– भारत एक संप्रभु एवं स्वतंत्र राष्ट्र है। किसी भी बाहरी राष्ट्र को हमारे राष्ट्र के मामलों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है, लेकिन अमेरिका के प्रेसिडेंट ट्रंप ने भारत–पाकिस्तान संघर्ष में हस्तक्षेप किया है और भारत ने ट्रंप के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। ट्रंप ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर पारस्परिक रूप से घोषणा की कि भारत ने युद्धविराम स्वीकार कर लिया है। तब तक भारतवासियों और भारतीय सेना को इस युद्धविराम के बारे में जानकारी नहीं थी। प्रेसिडेंट ट्रंप को सरपंच का यह अधिकार किसने दिया? उन्होंने 1971 की याद दिलाते हुए आगे लिखा है, 1971 के भारत–पाक युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच हुए शिमला समझौते के अनुसार, तीसरे देशों को दोनों देशों के बीच संघर्ष में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन अब भारत के प्रधानमंत्री ने ही शिमला समझौते का उल्लंघन किया। भारत ने ट्रंप के दबाव के आगे झुककर युद्धविराम को मंजूरी दे दी, लेकिन क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' या पाकिस्तान का बदला पूरा हो गया है? इसका जवाब देश को नहीं मिला। इसमें ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना की सराहना की गई है। कहा है– भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ दागे गए ड्रोन और मिसाइलों को नाकाम कर दिया है। उन्होंने पाकिस्तानियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है, लेकिन यह सब करते हुए भी पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले छह आतंकवादियों का सही ठिकाना नहीं पता चल पाया है। भारत–पाक संघर्ष की शुरुआत छह आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोष लोगों की हत्या से हुई थी।

संपादकीय

गोली चली तो गोला चलेगा

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना–नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन–सिंदूर' की कामयाबी से बौखालए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज फायर पर सहमति जतायी।

साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया। उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है।

निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी स्रुक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया।

हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद–हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा। हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत–पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

आतंक पर पाक को कड़ी चेतावनी देते रणनीतिक बदलाव

मनोज

छह–सात मई की रात, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ शृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार प्रतिकर्म होगा। चूंकि 2016 और 2019 के सीमित हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को एक औजार की भांति इस्तेमाल किए जाने वाली अपनी राष्ट्रीय नीति त्यागने में असरदार नहीं रहे, इसलिए उन लोगों को दर्द महसूस करवाना जरूरी बन गया, जो आतंकवादी करतूतों को नियंत्रित

उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात–उद–दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है। बहावलपुर जैश–ए–मोहम्मद का गढ़ है। इसके बाद दो दिन और यह ऑपरेशन चला जिसमें दोनों ओर से सीमा पर गोलाबारी हुई। भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराई वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुई। अब 10 मई को सीजफायर का ऐलान हुआ। ऑपरेशन सिंदूर 2016 और 2019 में सीमा पार किए गए सैन्य हमलों की तुलना में पैमाने और दायरे में काफी बड़ा रहा। इसका संदेश कहीं अधिक तगड़ा और स्पष्ट है। जिसमें, पाकिस्तान से निबटने के लिए भारत की भविष्य की रणनीति में किए गए कुछ महत्वपूर्ण बदलाव झलकते हैं। प्रथम, बड़े आतंकी हमलों का दंडात्मक

कर रहे हैं। यदि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी नेतृत्व पर लगाम लगाने को तैयार नहीं, तो भारत सैन्य संसाध्न का उपयोग करके ऐसा करेगा। भारत ने रणनीतिक और सामरिक कारणों से लंबे समय तक संयम मुद्रा अपनाए रखी। हालांकि, बदलते सुरक्षा परिवेश, विशेषतरू पहलगाम हमले ने, पुनर्संतुलन में उत्प्रेरक का काम किया। 6–7 मई की रात बहावलपुर और मुरीदके जैसी अंदरूनी जगहों को निशाना बनाना संकेत है कि भारत अब सरसरी जवाबी कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानता। नया दृष्टिकोण सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए लागत–लाभ वाली गणना बदलने का प्रयास करता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमले) का

लेखा–जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में '३अब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा। द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह स्वयं द्वारा लंबे समय से पोषित सैन्य–जिहाद परिसर को खत्म करे या फिर देश को भारत के साथ विनाशकारी संघर्ष में डुबाने का जोखिम उठाए। जो पाकिस्तान को और अधिक अस्थिरता और संकट में धकेल सकता है। दशकों से, पाकिस्तानी सेना ने जिहादी समूहों को अपनी रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है, उनका उपयोग भारत को जख्म देने के लिए किया जाता है, जबकि आधिकारिक रूप से इनकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत वे स्पष्ट किया कि राज्य और उसके द्वारा प्रायोजित छद्म स्वरूपों के बीच कोई अंतर नहीं है। पाकिस्तान में कई अंदरूनी जगहों को निशाना बनाकर भारत ने संकेत दे दिया है कि सुरक्षित पनाहगाहें भी अब उतनी सुरक्षित नहीं रही। प्रेस ब्रीफिंग में 6–7 मई की कार्रवाई पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत की 'कार्रवाई नपी–तुली, चीजों को और आगे न भड़काने वाली, आनुपातिक और जिम्मेदाराना थी। इसके निशाने का केंद्र आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना और भारत में भेजे जाने वाले आतंकवादियों को निष्क्रिय करना था'। यह पाकिस्तान के लिए संदेश था कि अगर वह किसी भी सैन्य जवाबी कार्रवाई से परहेज करे और आतंकवादी गतिविध्यिों पर लगाम लगाने के दीर्घकालीन उपाय करे, तो बढ़ते तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि पाकिस्तानी सेना ने प्रतिक्रिया में युद्ध जैसे हालात रखे, जिसकाभारतीय सेना ने माकूल जवाब दिया। तृतीय, भारत इस बारे स्पष्ट है कि परमाणु

युद्ध की नौबत बनने से जरा पहले तक, सीमित पारंपरिक संघर्ष के वास्ते गुंजाइश मौजूद है। जब भी भारत–पाकिस्तान संकट बनता है, तो पाकिस्तान सबसे पहले अपना परमाणु कार्ड लहराने लग जाता है। मंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोकता है, तो इस्लामाबाद परमाणु हथियारों से हमला करने को तैयार रहेगा। पाकिस्तान के राजदूत ने भी ऐसी धमकी दी। पाकिस्तान की परमाणु ब्लैकमेलिंग से भारत अब खुद को बंधक नहीं मानता। पारंपरिक बलों के इस्तेमाल के जरिए पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ढांचे को निशाना बनाने में वाले तौर–तरीके में धीरे–धीरे बदलाव आया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी पंजाब समेत कई आतंकी गढ़ों पर धावा बोलने में, हवाई हमले की उपयोगिता के रूप में नया मानक स्थापित हुआ है। चतुर्थ, भारत में हुए आतंकी हमलों के तार पाकिस्तान से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष सबूत उपलब्ध करवाने की कुछ अंतरराष्ट्रीय हलकों की मांग अब जाती रही है। भारत दशकों से पाक प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है और जब भी वह कहता है कि आतंकवाद का स्रोत पाकिस्तान है, तो यह बात सही है। समस्या यहां हमले करने वाले की नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी और उस सैन्य नेतृत्व की है, जो आतंकवाद को पाल–पोस रहे हैं। अकाट्य सबूत की मांग छद्म युद्ध की प्रकृति को नजरअंदाज करती है। आतंकी संगठनों का ढांचा ही इस प्रकार तैयार किया जाता है कि सिद्ध करना मुश्किल हो जाए। भारत में आतंकी हमलों की निरंतरता, अपराध करने वालों की पहचान, प्रशिक्षण केंद्र और फंडिंग स्रोत– ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र की ओर इशारा करते हैं जो राज्य के संरक्षण बिना काम नहीं कर सकता। पंचम, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए भी एक संदेश है।

जंग खत्म हो फिर भी वर्षों रोती है जिंदगी

क्षमा

टीवी स्क्रीन या मोबाइल स्क्रीन पर युद्ध कितना रोमांचक लगता है। ये मारा और वो मारा कहते हुए हम कितने खुश होते हैं। हमारे लिए जैसे युद्ध भी कोई वीडियो या मोबाइल गेम है। चौनल्स को लें तो वह टीआरपी बढ़ाने वाला और पैसा कमाने का साधन भी है। सुना गया था कि इस दौरान चौनल्स ने अपने यहां चलाए जाने वाले विज्ञापनों के दाम में भारी बढ़ोतरी की थी। वर्ष 1965, 1971, 1999 और अब 2025 के युद्धों में आखिर हमें क्या मिला। सिवाय कोरे आश्वासनों के। इंदिरा जी को लोग इन दिनों बहुत याद कर रहे हैं। लेकिन 1971 में उन्हें भी तिरानवे हजार सैनिकों को वापस करना पड़ा था। आखिर इन सैनिकों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार ही सुविधाएं देनी पड़ती हैं। इन युद्धों में जो लोग मारे गए थे, जिनके बारे में कहा गया था कि जब तक सूरज–चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले आदि बातें हमें कितने दिन याद रहीं। क्या चार–छह सैनिकों के नाम भी हमें याद हैं। दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे–जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता–पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता–पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दुःख को भोगने के लिए अभिशप्त रहते हैं। वह सैनिक हेमराज तो याद ही होगा जिसका सिर पाकिस्तान द्वारा काट लिया गया था। उस समय लोगों ने उसकी पत्नी के प्रति बहुत सहानुभूति प्रकट की थी। लेकिन बाद में पता चला था कि वह महिला वर्षों तक मुआवजे के लिए दर–दर भटकती रही थी। ऐसा ही न जाने कितने परिवारों के साथ होता होगा। न जाने कितने लोग मरते हैं और न जाने कितने बुरी तरह से घायल होते हैं। औरतें और बच्चे आज से ही नहीं, हमेशा से युद्धों का सबसे बुरा शिकार होते रहे हैं। आक्रांता जब आते थे, तो या तो महिलाओं को साथ उठा ले जाते थे, या उनके साथ बलात्कार करके उन्हें मार दिया जाता था। बच्चों की हत्या कर दी जाती थी, क्योंकि जिन पर आक्रमण करने आए हैं उनका समूल नाश करना होता था। औरतें शायद ही किसी पर युद्ध थोपती हैं, मगर उन पर हमेशा युद्ध थोप दिया जाता है। चार दिन की इस लड़ाई में कहा जा रहा है कि इसमें दो सौ के करीब लोग मारे गए हैं। जिनमें सैनिक तो हैं ही, आम नागरिक और बच्चे भी शामिल हैं। इन नागरिकों ने, बच्चों ने यहां तक कि सैनिकों ने किसी लड़ाई को दावत नहीं दी थी। कुछ दिन पहले एक वीडियो देख रही थी, जिसमें एक पत्नी दो दिन पहले हुई शादी के बाद, पति को मोर्चे पर भेजने से पहले कह रही थी–अपना सिंदूर भेज रही हूं। उसके चेहरे पर छाई उदासी और शून्य में देखती आंखें बहुत कुछ कह रही थीं। हकीकत फिल्म जो चीन के साथ युद्ध पर बनी थी उसका गाना याद आता हैकृ'हो के मजबूर मुझे उसने भुलाया होगा।' यह गाना ऐसा है कि सुनते–सुनते रोना आ जाता है। इसे युद्ध के वक्त बर्फ में फंसे सैनिक गा रहे हैं और अपनी–अपनी पत्नियों के बारे में सोच रहे हैं। इसके विभिन्न शाट्स में उन सैनिकों की पत्नियों के हालात का वर्णन था। देवानंद, साधना द्वारा अभिनीत फिल्म हम दोनों का बड़ा हिस्सा भी इसी थीम पर है। जहां पति युद्ध में एक पांव गंवाकर आता है। उसे भरोसा नहीं है कि पत्नी उसे अपना लेगी। चार दिन चली इस लड़ाई में राजस्थान की सत्ताईस साल की किरण शेखावत युद्ध के मैदान में पहली शहीद होने वाली महिला सैन्य अधिकारी हैं।

.... विविध ....

पीसीओएस और थायराइड से हो रही प्रेगनेंसी में दिक्कत

अगर आपको भी नैचुरली कंसीव करने में दिक्कत आ रही है या आपके हार्मोन असंतुलित हो गए हैं, तो इस फर्टिलिटी ड्रिंक को जरूर आजमाएं। यह नुस्खा पीसीओएस और थायरॉयड जैसी समस्याओं से जूझ रही महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है।

हार्मोनल असंतुलन और कंसीव में दिक्कत

आजकल बहुत सी महिलाएं नैचुरली गर्भधारण करने में कठिनाई का सामना कर रही हैं, और इसका मुख्य कारण हार्मोनल असंतुलन है। और थायराइड जैसी समस्याओं के कारण हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं, जिससे गर्भधारण में परेशानी होती है। लेकिन अगर आप अपनी लाइफस्टाइल को सही रखें और कुछ घरेलू नुस्खों का पालन करें, तो आप अपने हार्मोन को बैलेंस कर सकती हैं और नैचुरली कंसीव कर सकती हैं।

विशेषज्ञों ने बताया एक बेहतरीन फर्टिलिटी ड्रिंक

अगर आप पीसीओडी से जूझ रही हैं या हार्मोनल असंतुलन के कारण कंसीव नहीं कर पा रही हैं, एक खास फर्टिलिटी ड्रिंक का तरीका है, जो हार्मोनल असंतुलन को ठीक करने में मदद कर सकता है।

हार्मोन बैलेंस करने का तरीका

विशेषज्ञों के अनुसार, आपको एक गिलास गर्म पानी लेना है और उसमें एक चम्मच एप्पल साइडर विनेगर और एक चम्मच दालचीनी डालकर अच्छे से मिक्स करना है। इस मिश्रण को आपको रात को सोने से पहले पीना है। यह ड्रिंक आपके हार्मोनल असंतुलन को ठीक करने में मदद करेगा और इंसुलिन रेजिस्टेंस को भी कंट्रोल करेगा।

फर्टिलिटी ड्रिंक के फायदे

इस फर्टिलिटी ड्रिंक का सेवन करने से कई फायदे हो सकते हैं– पीसीओडी की समस्या में राहत मिल सकती है। टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ता है, जो महिलाओं के लिए फायदेमंद हो सकता है। हार्मोनल बैलेंस बेहतर हो सकता है, जिससे गर्भधारण में सहूलत मिल सकती है।

दालचीनी के फायदे

दालचीनी के बारे में एक रिसर्च में यह पाया गया है कि दालचीनी इंसुलिन रेजिस्टेंस को ठीक करने और एंड्रोजन (पुरुष हार्मोन) के उत्पादन को संतुलित करने में मदद करती है। यह पीसीओएस को कंट्रोल करने में सहायक हो सकती है, क्योंकि यह पीसीओएस के मरीजों में एंड्रोजन के लेवल को नियंत्रित रखती है।

एप्पल साइडर विनेगर के फायदे

एप्पल साइडर विनेगर के बारे में एक रिसर्च में पाया गया कि यह शरीर में एस्ट्रोजन और टेस्टोस्टेरोन के लेवल को कम करता है, जबकि प्रोजेस्ध्टेरोन के लेवल को बढ़ाता है। प्रोजेस्ध्टेरोन हार्मोन गर्भधारण के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह इंप्लांटेशन प्रक्रिया को सफल बनाने में मदद करता है।

अगर आप पीसीओएस, थायरॉयड या हार्मोनल असंतुलन से जूझ रही हैं, तो यह फर्टिलिटी ड्रिंक आपकी मदद कर सकती है। सही लाइफस्ध्टाइल और घरेलू नुस्खों से आप अपने हार्मोनल बैलेंस को ठीक कर सकती हैं और नैचुरली गर्भधारण कर सकती हैं।

बिना दर्द चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने का आसान घरेलू नुस्खा

महिलाएं अक्सर अपने चेहरे के अनचाहे बालों को हटाने के लिए पार्लर जाती हैं या फिर घर पर केमिकल हेयर रिमूवल प्रोडक्ट का इस्तेमाल करती हैं। हालांकि, चेहरे के बालों को हटाना कई बार दर्दनाक हो सकता है। इस प्रक्रिया के दौरान कई बार चेहरे पर लाल दाने, जलन, और लालिमा हो सकती है, जिससे चेहरे की खूबसूरती पर असर पड़ता है। लेकिन अब चिंता करने की जरूरत नहीं है। आज हम आपको एक ऐसा घरेलू नुस्खा बताएंगे, जिससे आप बिना किसी दर्द के अपने चेहरे के अनचाहे बालों को आसानी से हटा सकती हैं और डेड स्किन सेल्स भी बाहर निकल आएंगे। तो चलिए, जानते हैं इस उपाय के बारे में।

अनचाहे चेहरे के बालों को हटाने के लिए घरेलू नुस्खा

1 कप दूध
1¢2 चम्मच हल्दी
1 चम्मच चीनी
1 चम्मच नारियल का तेल
1 चम्मच कॉफी पाउडर
1 चम्मच चावल का आटा

फेशियल हेयर पेस्ट को ऐसे बनाएं

सबसे पहले, एक सॉस पैन में 1 कप दूध डालें। अब इसमें 1¢2 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच चीनी और 1 चम्मच नारियल का तेल डालें। इन सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें और हल्की आंच पर पका लें। मिश्रण को 5 मिनट तक पकने दें और फिर गैस बंद कर दें। अब इस मिश्रण में 1 चम्मच कॉफी पाउडर और 1 चम्मच चावल का आटा डालकर अच्छे से मिक्स करें। आपका फेशियल हेयर पेस्ट तैयार हो गया है।

फेशियल हेयर पेस्ट का उपयोग कैसे करें

इस पेस्ट को अब अपने चेहरे पर लगाएं।पेस्ट को चेहरे पर कम से कम 15 मिनट तक छोड़ें ताकि यह अच्छे से काम कर सके। इसके बाद, गुनगुने पानी से चेहरे को अच्छे से धोकर साफ कर लें। आप देखेंगे कि आपके चेहरे के अनचाहे बाल आसानी से हट गए हैं और आपकी त्वचा में निखार आ गया है।

इस उपाय के फायदे

1. यह उपाय बिना दर्द के चेहरे के अनचाहे बालों को हटा देता है।

2. इसमें उपयोग की जाने वाली सामग्री प्राकृतिक होती है, जिससे त्वचा को कोई नुकसान नहीं होता।

3. यह पेस्ट त्वचा की डेड स्किन को भी बाहर निकालता है, जिससे आपकी त्वचा और भी ज्यादा निखरती है।

4. नारियल का तेल और हल्दी जैसे तत्व त्वचा को नमी और पोषण देते हैं, जिससे आपकी त्वचा मुलायम बनी रहती है।

रात में देर तक जागने की आदत पड़ सकती है भारी

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में नींद सबसे ज्यादा नजरअंदाज की जाने वाली चीज बन गई है। लोग देर रात तक मोबाइल चलाते रहते हैं, काम करते हैं या सीरीज देखते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना आधी रात तक जागने की यह आदत आपकी सेहत को कई तरह से नुकसान पहुंचा सकती है?

आधी रात तक जागना क्यों है खतरनाक?

अगर आप रोज रात 12 बजे या उसके बाद सोते हैं और सुबह जल्दी उठ जाते हैं, तो आपकी नींद की गुणवत्ता पर सीधा असर पड़ता है। यह असर धीरे–धीरे आपके शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्थिति और भावनात्मक संतुलन को भी बिगाड़ सकता है।

वजन बढ़ना शुरू हो सकता है

रात में देर तक जागने पर शरीर में घ्रेलिन (भूख बढ़ाने वाला हार्मोन) का स्तर बढ़ने लगता है और लेप्टिन (भूख नियंत्रित करने वाला हार्मोन) कम हो जाता है। इससे बार–बार भूख लगती है, खासतौर पर तला–भुना और मीठा खाने का मन करता है। देर रात खाया गया खाना शरीर द्वारा अच्छे से पच नहीं पाता और फैट के रूप में जमा हो जाता है, जिससे वजन बढ़ने लगता है। नींद की कमी से मेटाबॉलिज्म भी ध्ीमा पड़ता है, जिससे कैलोरी बर्न करने की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है।

मूड पर पड़ता है बुरा असर

अपर्याप्त नींद का सीधा असर मस्तिष्क के न्यूरोट्रांसमीटर पर पड़ता है, जो आपके मूड को नियंत्रित करते हैं। इससे चिड़चिड़ापन, गुस्सा, निराशा और बेचौनी जैसी भावनाएं बढ़ जाती हैं। जो लोग देर रात तक जागते हैं, वे दिनभर थके–थके और नकारात्मक सोच से घिरे रहते हैं। इसका असर रिश्तों, काम की गुणवत्ता और मानसिक शांति पर पड़ता है।

स्ट्रेस लेवल बढ़ सकता है

जब शरीर को पर्याप्त नींद नहीं मिलती, तो उसमें कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर बढ़ जाता है।दलगातार बढ़ा हुआ स्ट्रेस हार्ट बीट, ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर लेवल को भी बिगाड़ सकता है। ज्यादा स्ट्रेस से नींद और भी खराब होती है, जिससे एक नेगेटिव साइकल बन जाता है दृ कम नींद, ज्यादा स्ट्रेस और भी कम नींद। लंबे समय तक ऐसा चलने पर डिप्रेशन और एंग्जायटी जैसी मानसिक समस्याएं भी हो सकती हैं।

सोचने और एकाग्रता में होती है परेशानी

अच्छी नींद दिमाग को आराम देती है और नए विचारों को प्रोसेस करने में मदद करती है। जब आप रोज देर तक जागते हैं, तो मस्तिष्क को पूरी तरह रिचार्ज होने का समय नहीं मिल पाता। इसका असर आपकी मेमोरी, निर्णय लेने की क्षमता और ध्यान केंद्रित करने की शक्ति पर पड़ता है। ऐसे लोग छोटी–छोटी चीजें भूलने लगते हैं, और काम या पढ़ाई में ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है।

रात 11 बजे से पहले सोने की आदत डालें। हर दिन एक तय समय पर सोएं और उठें, यहां तक कि वीकेंड पर भी। रात में भारी खाना और स्क्रीन टाइम कम करें। 7 से 9 घंटे की नींद जरूर लें। अमेरिकी डॉक्टर और नींद विशेषज्ञों के अनुसार, अच्छी नींद न केवल वजन, मूड और सोचने की क्षमता को बेहतर बनाती है, बल्कि यह आपके लिवर और पाचन तंत्र के लिए भी फायदेमंद होती है।

दबंगों ने घर में घुसकर मां बेटी बेटों को पीटा पांच घायल ,घर में तोड़फोड़ लूटपाट करने का आरोप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, । सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के हरबसपुर छूच्छा गांव में दबंगों ने रविवार भोर मे घर में घुसकर लाठी डंडों से मां बेटी और दो बेटों को समेत पांच लोगों को पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित ने आरोप

लगाया कि महिला के शरीर से जेवर नोच लिए घर में तोड़फोड़ की और घर के बक्से अटैची सब बाहर फेंक दिए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। उधर घर में घुसकर मारने पीटने का वीडियो भी वायरल हो रहा है। हरबसपुर छूच्छा गांव में विश्वास मिश्रा का परिवार पुश्तैनी मकान में रहता है। विश्वास मिश्रा बाहर ड्यूटी पर गए हुए थे। दबंगों ने पहले तो शनिवार की रात पूनम मिश्रा को करने का प्रयास करते हुए जान से मारने की धमकी दी, लेकिन वह दरवाजा बंद कर भीतर बन्द हो गई। लेकिन आधा दर्जन की संख्या मे एक जुट होकर दबंगों ने रविवार की सुबह घर पर हमला कर दिया और घर में घुसकर लाठी डंडे ईट से पूनम और उनके बच्चों बेटी को मारना शुरू कर दिया। बचाव परिवार में इधर–उधर चिल्लाने भागने लगी। लेकिन दबंगों ने घर में घेर कर पीटा और इसके बाद करकट दरवाजे दीवाल तोड़ दिए । घर के अंदर रखे सभी बक्स अटैची बर्तन सब बाहर फेंक दिए और इस दौरान घायल पूनम ने आरोप लगाया की चेन अंगूठी पायल और कान की बाली भी छीन लिए। दबंगों ने जान से मारने की धमकी देते हुए कहा कि पुलिस में शिकायत करोगी तो जान से मार देंगे। इसके पूर्व मे मारने पीटने को लेकर पूनम मिश्रा ने पुलिस में शिकायत की थी। जिसके बाद दबंगो ने घटना को अंजाम दिया। दबंग के हमले में पूनम (44), बेटी सृष्टि (13) बेटा श्रेयस (20), बेटा श्रुअस (17)और विवेकानंद (42)घायल हो गए। पीड़ित ने 112 नंबर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची मौके पर गंभीर रूप से घायल श्रृष्टि को उपचार के लिए अस्पताल ले गए। घटना से परिवार दहशत में है। पीड़ित का पति विश्वास मिश्रा का आरोप है कि यह लोग आए दिन हमारा पुश्तैनी मकान आवादी की जमीन हड़पने के चक्कर में मारते पीटते हैं और पुलिस भी सुनवाई नहीं करती है। इसके पहले चार दिन पूर्व भी मारे थे। जिसकी शिकायत पुलिस से की गई, लेकिन पुलिस ने कोई करवाई नही की थी। इससे खुन्नस खाए हुए मनबढो ने दोबारा घटना को अंजाम दिए।वही इस मामले में थानाध्यक्ष का कहना है कि मामला संज्ञान में है विधिक कार्रवाई की जा रही है। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

प्रदेश से कश्मीर जाने वाले पर्यटकों में 57 फीसदी की गिरावट

लखनऊ, (संवाददाता)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के चलते लखनऊ से जम्मू जाने वाले पर्यटकों की संख्या में 57 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। गत वर्ष जहां जनवरी से अप्रैल के बीच 2.80 लाख यात्रियों ने ट्रेनों व अन्य साधनों से जम्मू की यात्रा की, वहीं इस वर्ष अब तक 1.60 लाख पर्यटक ही जम्मू गए। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय फौज ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इसके बाद पाकिस्तान से भारत की तनातनी बढ़ गई। सरहद पार से ड्रोन व मिसाइलों से हमले किए गए। इस बढ़ती तनातनी के चलते ही लखनऊ से जम्मू जाने वाले यात्री सफर से बचते नजर आए। जम्मू–कश्मीर जाकर पहाड़ों की सैर करने वाले अब उत्तराखंड व पूर्वोत्तर भारत का रुख कर रहे हैं। पिछले तीन साल के आंकड़े यह बताने के लिए काफी हैं कि ट्रेन से जम्मू जाने वाले यात्रियों की संख्या में गिरावट दर्ज हुई है। लखनऊ से जम्मू के लिए बेगमपुरा, कोलकाता जम्मूतवी, अर्चना, हिमगिरी, श्रीमाता वैष्णो देवी एक्सप्रेस, अमरनाथ एक्सप्रेस आदि ट्रेनें हैं। आम दिनों में इन ट्रेनों से लखनऊ से 1800 से दो हजार यात्री सफर करते थे, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद यह संख्या घटकर तीन से चार सौ तक पहुंच गई है। फिलहाल यात्री जम्मू कश्मीर जाने से पूरी तरह बच रहे हैं। लखनऊ से जम्मू जाने

वाली ट्रेनों में वर्ष 2023 में जनवरी से अप्रैल, चार महीनों में 2,75,000 यात्रियों ने सफर किया। वहीं वर्ष 2024 में यह संख्या बढ़कर 2,80,000 पहुंच गई, जबकि इस वर्ष दस मई तक जम्मू जाने वाले यात्रियों की संख्या 1,60,000 ही रही। पिछले साल की तुलना में जम्मू जाने वालों की संख्या 57 प्रतिशत तक कम हो गई। उपरोक्त आंकड़े रेलवे आरक्षण केंद्रों व आईआरसीटीसी से प्राप्त औसत आधारित आंकड़े हैं।

पीक सीजन में नहीं मिल रहे यात्री गर्मी की छुट्टियों में जम्मू–कश्मीर जाने वाले यात्रियों की भरमार रहती थी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पर्यटकों की संख्या घट गई है। जिससे जम्मूतवी समर स्पेशल (04609), कोलकाता जम्मूतवी एक्सप्रेस (13151), अमरनाथ एक्सप्रेस, बेगमपुरा एक्सप्रेस आदि में सीटें आसानी से मिल रही हैं। इतना ही नहीं तत्काल कोटे में रविवार को जम्मू की ट्रेनों में 142 सीटें थीं, जिन पर आसानी से टिकट बुकिंग हुई।

विमानः चार महीने में मात्र 4200 गए लखनऊ से श्रीनगर व जम्मू जाने वाले विमानों में भी यात्रियों की संख्या में गिरावट देखी गई। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार जम्मू के लिए वाया दिल्ली जाने वाले विमानों में पिछले साल 36 हजार से अधिक यात्रियों ने सफर किया। वहीं इस साल चार महीनों में इनकी संख्या मात्र 4200 के आसपास रही। वहीं, श्रीनगर के लिए सीधी उड़ान 30 मार्च को शुरू हुई थी, जिसमें प्रतिदिन 180 यात्री सफर कर रहे थे, लेकिन बाद में यात्री घटकर 35 हो गए तो यह सेवा बंद हो गई।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अयोध्या ।कोतवाली नगर क्षेत्र के नवीन मंडी इलाके में ट्रेलर और बाइक में टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत हो गई ।बताते चले कि बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के कनक मलेथू निवासी बाइक सवार युवक चंदन सिंह की ट्रेलर ट्रक से टकराकर घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई ।यह हादसा कोतवाली नगर के रायबरेली बाईपास मार्ग पर स्थित साहू पैलेस के सामने हुआ।

कोतवाली नगर के रामनगर कालोनी मे चोरो ने की वारदात, पुलिस जांच मे जुटी

अयोध्या ।कोतवाली नगर के रामनगर कॉलोनी स्थित छावनिया में रहने वाले रमेश वाधवा के घर में शनिवार की शाम चोरों ने लाखों रुपए के जेवर व नगदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर सीसीटीवी की फुटेज की सहायता से जांच में जुट गई है। कोतवाली नगर में पीड़ित द्वारा दिए गए तहरीर में बताया गया है घटना के समय पीड़ित रिकाबगंज स्थित अपने रेडीमेड दुकान पर गया था। जबकि बड़ा बेटा अपनी माता को किटी पार्टी में छोड़कर वहां से गुप्तार घाट चला गया था। वही पीड़ित का छोटा बेटा जिम चला गया था। पीड़ित द्वारा कोतवाली नगर में दिए गए तहरीर में बताया गया है

कि चोरों ने नगदी व जेवर चुरा ले गए ।बताया कि चोरी की जानकारी तब हुई जब उनके परिजन वापस घर आए। इस संबंध में वरिष्ठ उप निरीक्षक कोतवाली नगर प्रदीप कुमार ने बताया चोरी के संबंध में थाना पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है ।इस संबंध में पुलिस सीसीटीवी की फुटेज की सहायता से कार्यवाही करने में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि चोरी की घटना फिलहाल ताला तोड़ने से नहीं हुई है ।जो जांच का विषय है ।बताया कि फिलहाल इस घटना का खुलासा पुलिस शीघ्र ही करेगी ।इस घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ उप निरीक्षक कोतवाली नगर प्रदीप कुमार के अलावा एसओजी,फॉरेंसिक की टीम के अलावा डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गए।

इस बार डेढ़ गुना अधिक गृहकर वसूलेगा नगर निगम

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर निगम ने अप्रैल से शुरू हुए इस नए वित्तीय वर्ष में बीते साल की तुलना में करीब डेढ़ गुना गृहकर वसूली का लक्ष्य तय किया है। इसको लेकर आदेश भी जारी कर दिया है। जिन करीब दो लाख भवनस्वामियों ने बीते साल गृहकर जमा नहीं किया उनसे वसूली के लिए कार्यवाही शुरू करने को कहा गया है। इस बार वसूली का सालाना,मासिक और साप्तहिक लक्ष्य अभी से तय कर दिया गया है। बीते वित्तीय वर्ष 2024–25 में नगर निगम ने (अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक) करीब 580 करोड़ रुपये गृहकर वसूला था जोकि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 150 करोड़ रुपये अधिक था। हालांकि लक्ष्य 1000 करोड़ का तत्कालीन नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने तय किया था। करीब एक महीने पहले इंद्रजीत सिंह का तबादला हो गया और अब उनकी जगह नए नगर आयुक्त गौरव कुमार आए हैं। जिन्होंने वसूली को लेकर 900 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया है।

महिला एसओ सहित कई थाने मे एंटी रोमियो टीम ने महिलाओं को किया जागरूक

अयोध्या ।सोमवार को महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व में "मिशन शक्ति फेज–5 के तहत महिलाओ को उनके सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया ।इस मौके पर उन्होंने अपनी टीम के साथ शहर प्रमुख चौराहों तथा मार्गों पर जाकर महिलाओं व बालिकाओं को उनके अधिकारों, वूमेन पावर लाइन–1090, यूपी–112, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दिया ।इसके अलावा जिले की सभी थानों की एण्टी रोमियों टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों,धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं के बारे में बताया गया ।टीम में शामिल महिला पुलिस कर्मियों ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना के बारे में महिलाओं को जानकारी दिया ।इसके अलावा महिला पुलिस कर्मियों ने महिलाओ को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई–हाट योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा–112 इमरजेन्सी कॉलध्पैनिक बटन–मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन–102, एम्बुलेंस सेवा–108, महिला हेल्प लाईन–181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया।

महिलाओं के सुझाव से संवरेंगे शहर, सलाह पर तैयार होंगी विकास की योजनाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में शहरों के विकास का खाका खींचने से पहले जनप्रतिनिधियों के साथ महिलाओं के सुझाव भी लिए जाएंगे। उनके सुझाव के आधार पर विकास की योजनाएं तैयार होंगी। इसका मकसद शहरी ढांचे को महिलाओं के अनुरूप तैयार कर उनके अनुकूल वातावरण तैयार करना है। पिछले दिनों अमृत–दो की परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने नगर विकास विभाग को यह निर्देश दिए थे। इस योजना में 24 हजार करोड़ के काम होने हैं। केंद्र सरकार ने शहरी सुविधाओं को बेहतर करने के लिए अमृत–दो योजना की शुरुआत की है। योजना का मकसद शहरों में बेहतर जल निकासी, सीवर, पार्क और पानी की सुविधा उपलब्ध कराना है। राज्य सरकार चाहती है कि शहरी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए महिलाओं से भी रायशुमारी की जाए। इसके लिए निकाय वार्ड स्तर पर मोहल्ला समिति की बैठकें कराएंगे। इसमें जनप्रतिनिधियों के साथ आसपास की महिलाओं को भी आमंत्रित किया जाएगा। पानी की उपयोगिता, पार्कों की सुविधा के बारे में महिलाएं ज्यादा जानकार सरकार का मानना है कि महिलाएं सुविधाओं के मामले में बेहतर सुझाव दे सकती हैं। उन्हें यह पता होता है कि जलापूर्ति कितने घंटे हो जिससे घर चलाना आसान हो सके ।

संक्षिप्त समाचार

आमदनी बढ़ाने की आड़ में अवैध कब्जेदारों को वैध करने की तैयारी

लखनऊ, (संवाददाता)। महज बीस और तीस रुपये पर उठी सम्पत्तियों का नामांतरण शुल्क और किराया बढ़ाने की आड़ में नगर निगम का रेंट विभाग अवैध कब्जेदारों को वैध करने की तैयारी में है। इसके लिए तैयार किए गए प्रस्ताव किया गया है। जिसके बाद अलग कालोनियों और बाजारों की समितियों के साथ बैठक भी हो चुकी है। अब उसकी रिपोर्ट नगर निगम सदन में रखी जाएगी। जहां पर मंजूरी के बाद किराएदारी का नामांतरण शुरू कर दिया जाएगा। सदन की बैठक इस महीने के अंत या अगले महीने केकी शुरुआत में होने की संभावना है। कब्जेदार ऐसे हैं, जिनके नाम किराएदारी भी ट्रांसफर नहीं हुई है। अकेले चारबाग की गुरुनानक मार्केट में ही 69 आवंटी ऐसे हैं, जो अवैध रूप से काबिज हैं। जांच में यह कई साल पहले ही सामने आया चुका है। जिसके बाद यहां के 109 आवंटियों को रेंट विभाग ने आवंटन निरस्त करने की नोटिस भी जारी की थी और पुलिस को भी अवैध कब्जेदारों के खिलाफ कार्रवाई केलिए लिखा था लेकिन कुछ नहीं हुआ। बीते साल 44 किराएदारों के आवंटन इस आधार पर निरस्त किए थे कि उन्होंने मकानों का स्वरूप बदलकर होटल बना लिए हैं। आवंटन निरस्त होने के बाद भी अब तक कब्जा नहीं लिया जा सका। अब आमदनी बढ़ाने की आड़ लेकर अवैध कब्जेदारों को वैध करने की तैयारी है। जो प्रस्ताव बनाया गया है उसमें अमीनाबाद और चारबाग की जिस दुकान का किराया कम से 30 हजार रुपये महीना मिलना चाहिए वह बढने के बाद भी दो हजार रुपये से अधिक नहीं होगा। ऐसे में किराया बढ़ाने की आड लेकर अवैध कब्जेदारों को फायदा पहुंचाया जाएगा।

पहला बड़ा मंगल, सजाए जा रहे हनुमान मंदिर

लखनऊ, (संवाददाता)। हनुमान भक्तों के लिए साल का सबसे बड़ा पर्व बड़ा मंगल इस बार भी आस्था, भक्ति और सेवा के संगम के साथ मनाया जाएगा। शहर के प्रमुख मंदिरों में तैयारियां जोरों पर हैं। कहीं मंदिरों की दीवारें फूलों की माला से सजी हैं, तो कहीं भजन–कीर्तन की गूंज वातावरण को भक्तिमय बना रही है। अलीगंज का प्राचीन हनुमान मंदिर, जो हर बड़े मंगल पर लाखों श्रद्धालुओं का केंद्र बनता है, वहां के महंत गोपाल दास जी ने बताया कि मंदिर में साफ–सफाई का कार्य जोरों से चल रहा है। सोमवार से फूलों की सजावट शुरू हो जाएगी। सोमवार रात 12रू00 बजे हनुमान जी का विशेष शृंगार कर कपाट भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे। इसी के साथ श्रद्धालुओं की परिक्रमा की परंपरा भी शुरू हो जाती है। हजरतगंज स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में भी भव्य साज–सज्जा की तैयारियां सोमवार से शुरू होंगी। शाम 4 बजे से भक्त परिक्रमा के लिए मंदिर आने लगते हैं। इसके पश्चात महाआरती और विशाल भंडारे का आयोजन होगा। गोमती नदी के तट पर स्थित हनुमान सेतु मंदिर हर बड़े मंगल पर भक्तों की भारी भीड़ का साक्षी बनता है। मंदिर सचिव दिवाकर त्रिपाठी ने बताया कि सोमवार रात 12 बजे कपाट खुलते ही सुंदरकांड का पाठ होगा। 50,000 से अधिक लड्डुओं का प्रसाद बांटा जाएगा। हर भक्त को हनुमान जी के चरणों का एक लड्डू प्रसाद के रूप में दिया जाएगा। लेटे हुए हनुमान मंदिर में भी तैयारियां जोरों पर हैं।

बरात में डांस के दौरान महिलाओं से कहासुनी, युवक की पीट-पीटकर हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के अयोध्या में रविवार की रात बरात में डांस के दौरान महिलाओं से कहासुनी के बाद युवक की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद विवाह की खुशियां मातम में बदल गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन–फानन विवाह की रस्में पूरी कराईं। मृतक की पत्नी की तहरीर पर दो नामजद एवं कुछ अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। घटना खंडासा थाना क्षेत्र के रामपुर गौहनिया गांव की है। गांव निवासी पन्ना लाल की पुत्री रंजना का विवाह था। रुदौली के बहार पूरे कोड़रा गांव से बारात आई थी। रात करीब 12रू 30 बजे द्वार पूजा के बाद महिलाएं लावा मांगने की रस्म के लिए गांव के बाहर जिस रास्ते पर गई हुईं थी, उसी रास्ते से भोजन करके जनवासे के लिए बराती लौट रहे थे। इसी दौरान बरात में आए हुए गड़ौली गांव निवासी गंगा (30) की किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इस पर भीड़ ने उसकी पिटाई कर दी। इससे वह अचेत होकर गिर गया। आनन–फानन लोगों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। खबर मिलते ही शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। चारों तरफ अफरा–तफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जल्दी–जल्दी विवाह की रस्में पूरी कराईं। मृतक की पत्नी ज्ञानसी की तहरीर पर रामनगर टंडवा गांव निवासी बृजेश व मनीष समेत कुछ अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि डीजे पर डांस को लेकर मारपीट की घटना हुई है। घटना में वर पक्ष के एक युवक की मौत हुई है। मृतक की पत्नी की तहरीर पर वधू पक्ष के दो नामजद व कुछ अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

बरातियों के लिए हलवाई बना रहा था खाना, तीन सिलिंडर ब्लास्ट फिर आग ने मचाया तांडव सात घर जले

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के श्रावस्ती में रविवार को एक गांव में बरात आई थी। हलवाई खाना बना रहा था। इसी समय गैस पाइप में लीकेज होने से सिलिंडर ने आग पकड़ ली। देखते ही देखते तीन सिलिंडर ब्लास्ट हो गए। आग से पंडाल और आसपास के सात घर जल गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व दमकल टीम ने आग पर काबू पाया। घटना सोनवा क्षेत्र के नारायणपुर के मजरा बैभी गांव की है। गांव निवासी ढोडे यादव की पुत्री का विवाह था। रात में बरातियों व रिश्तेदारों के लिए हलवाई खाना बना रहा था। इसी समय गैस सिलिंडर की पाइप से गैस लीक होने के कारण उसने आग पकड़ ली। पास रखे रसोई गैस के अन्य सिलिंडर ने भी आग पकड़ ली। देखते ही देखते तीन सिलिंडर ब्लास्ट हो गए। इसके बाद टेंट भी धू–धूकर जलने लगा। घटना से मौके पर अफरा–तफरी मच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। जब तक आग पर काबू पाया जाता पड़ोसी नारायण सोनकर, ननकऊ, गुरदास, लालजी, लक्ष्मी व सतीश के घर भी जलने लगे। सातों घरों का सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीण आग बुझाने में जुटे रहे। लेकिन आग फैलती गई। पड़ोस में दुर्गेश के अहाते को भी आग ने चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना डायल 112 व दमकलकर्मियों को दी। मौके पर पहुंची पुलिस व दमकल टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू किया। आग से करीब 10 लाख के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव से स्पोर्ट्स इंडस्ट्री को झटका, चिंतित हुए कारोबारी

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत और पाकिस्तान के बीच तनातनी से स्पोर्ट्स इंडस्ट्री को तगड़ा झटका लगा है। कश्मीर विलो से बनने वाले बैट के लिए लकड़ी की आवक ठप होने से जालंधर एवं मेरठ में इसका उत्पादन प्रभावित हुआ है। कंपनियों ने आपूर्ति की अग्रिम बुकिंग बंद कर दी है। इससे लखनऊ में स्पोर्ट्स इंडस्ट्री से जुड़े कारोबारी चिंतित हैं। दरअसल, इस वक्त क्रिकेट किट की मांग बढ़ने से व्यापार बेहतर चल रहा है। इंदिरानगर और अमीनाबाद में स्पोर्ट्स शोरुम के संचालक सुनील मलहन ने बताया कि सबसे ज्यादा क्रिकेट के बैट जालंधर और मेरठ में बनते हैं। पर, भारत–पाकिस्तान में तनाव के चलते बैट बनाने के लिए कश्मीर से लकड़ी नहीं आ पा रही है। इससे बैट का उत्पादन घट गया। सुनील कहते हैं कि स्कूल बंद होने से इस समय बच्चों का खेल की तरफ रुझान बढ़ा है। इससे बैट व अन्य खेल सामग्रियों की बिक्री बढ़ी है। आलमबाग के कारोबारी उपकार सिंह कहते हैं कि राजधानी में स्पोर्ट्स इंडस्ट्री के छोटे–बड़े एक हजार से ज्यादा कारोबारी हैं। बैट की अग्रिम बुकिंग बंद होने से चिंता बढ़ गई है। लुधियाना की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के मालिक जय अग्रवाल ने बताया कि दोनों देशों की तनातनी के कारण औद्योगिक इकाइयों के उत्पादन पर भी असर पड़ा है। जय के मुताबिक यहां की इकाइयों में यूपी एवं बिहार के बड़ी संख्या में कामगार काम करते हैं। युद्ध के हालात बने तो ये कामगार अपने–अपने परिवार लेकर घर लौट गए। इससे जिस इकाई में 50 कर्मचारी थे, वहां पर 20–25 ही बचे। इससे 50 फीसदी तक उत्पादन घट गया। इससे कई इंडस्ट्री पर व्यापक असर पड़ा है। यहां की फैक्टरियों से मांग के मुताबिक कारोबारियों को आपूर्ति नहीं मिल पा रही है। जय अग्रवाल बताते हैं कि लुधियाना साइकिल, सिलाई मशीन, ऑटोमोबाइल के स्पेयर पार्ट्स और होजरी के उत्पादन के लिए मशहूर है। इन उत्पादों से भरे ट्रक रोजाना लखनऊ और लुधियाना के बीच चलते थे। जय ने बताया कि उनकी कंपनी का ऑफिस लखनऊ में भी है। ज्यादातर कारोबारी अपना माल उनके ही ट्रकों से मंगाते हैं, लेकिन आठ मई से अब तक लुधियाना से साइकिल व सिलाई मशीन के स्पेयर पार्ट्स और होजरी का एक भी ट्रक रवाना नहीं हुआ है। औसतन रोजाना 10 ट्रक माल रवाना होते थे। उधर, लखनऊ के साइकिल कारोबारियों ने बताया कि लुधियाना से स्पेयर पार्ट्स की आवक थमने से फिलहाल कोई असर नहीं है, लेकिन आवक एक हफ्ते और ठप रहेगी तो दिक्कत बढ़ेगी।

अमेठी में मॉडल सोलर विलेज बनाने में अदाणी फाउंडेशन की भूमिका सोलर छतों से बदलेगा भारत

लखनऊ, (संवाददाता)। देश अब ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत एक करोड़ घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे, जिससे हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त या सस्ती बिजली मिल सकेगी। यह पहल न सिर्फ घरेलू खर्चों को कम करेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा देगी। इस योजना से देश में 30 गीगावॉट रूफटॉप सोलर क्षमता का लक्ष्य 2026–27 तक पूरा करने की तैयारी है। सौर पैनलों की स्थापना से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। मॉडल सोलर विलेजश जैसे प्रयोग गांवों को पूरी तरह सौर ऊर्जा पर आधारित बनाकर

पूरे देश के लिए मिसाल बन रहे हैं। सूरज की रोशनी अब सिर्फ उजाला नहीं, बल्कि सशक्तिकरण, बचत और विकास का प्रतीक बन रही है। पीएम सूर्य घर योजना एक हरित, आत्मनिर्भर और उज्ज्वल भारत की दिशा में निर्णायक पहल है। 21वीं सदी में ऊर्जा सिर्फ जरूरत नहीं, आत्मनिर्भरता और समृद्धि का प्रतीक बन चुकी है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ती जनसंख्या और सीमित पारंपरिक संसाधनों के बीच अब पूरी दुनिया ऊर्जा संक्रमण की।

ठसाठस भरे कोच, बाथरूम तक में लोग खिड़कियों से आ-जा रही हैं सवारियां

लखनऊ, (संवाददाता)। जम्मू से आने वाली ज्यादातर ट्रेनें फुल आ रही हैं। आलम यह है कि सामान्य ही नहीं, आरक्षित बोगियों के गेट तक यात्री ठसाठस भरे रहते हैं। यात्री सभी गेटों को बंद कर देते हैं जिससे स्टेशन पर और भीड़ न बढ़े। बैठने की मारामारी इतनी है कि एसी कोच तक में भारी भीड़ रहती है। रविवार देर शाम जम्मू कश्मीर से आने वाली ट्रेनों में यही हाल देखने को मिला। जम्मू कोलकाता एक्सप्रेस रविवार शाम चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंची। यहां से कोलकाता जाने के लिए पहले से ही कुछ यात्री इंतजार कर रहे थे। जैसे ही ट्रेन स्टेशन पर पहुंची बैठने की मारामारी शुरू हो गई। ट्रेन में पहले से ही जम्मू के यात्री बैठे थे, उन्हें उतरने तक की जगह नहीं मिल रही थी। लोग किसी तरह खिड़कियों के सहारे बाहर निकले। बहराइच के लियाकत अली परिवार के साथ एक साल से जम्मू में रह रहे थे। भारत–पाकिस्तान में बढ़ी रार के बाद वे अपनी गृहस्थी छोड़कर घर लौट आए हैं। अमर उजाला से बातचीत में उन्होंने बताया कि जम्मू में मेरी तरह करीब 20 परिवार पेंटिंग का काम करते हैं। जब से युद्ध शुरू हुआ ज्यादातर लोगों ने शहर छोड़ दिया है। बहराइच के मिथलेश और विरेंद्र भी हैं। वे भी परिवार के साथ वापस आए हैं। आरक्षित बोगी में बैठे थे, लेकिन वे खिड़की से किसी तरह उतरे। उन्होंने बताया कि युद्ध विराम जरूर हुआ है,

जिला चिकित्सालय के वार्ड में बिद्युत आपूर्ति रही बाधित

अयोध्या।40 डिग्री सेल्सियस के तापमान में उफ यह भीषण गर्मी। गर्मी का यह आलम है कि जिन लोगों को बहुत ही जरूरी काम है वे लोग भी सुबह 10:00 तक अपने–अपने घरों से निकलते है।वहीं दोपहर प्रचंड धूप तथा गर्मी के चलते काम ही लोग अपने घरों से निकल रहे हैं। इस बीच मेंटेनेंस के नाम पर विद्युत विभाग द्वारा आए दिन घंटो कटौती के चलते आम जनमानस काफी परेशान दिखाई दे रहे हैं।सबसे बुरी दशा तो इस समय जिला अस्पताल में उसे समय सोमवार की दोपहर दिखाई दी जब पंखा तो छोड़िए बिजली न होने के चलते मोबाइल की रोशनी में मरीज लेटे हुए थे।यह हाल जिला चिकित्सालय के कई वार्डों में दिखाई दिया।बिजली न होने के चलते यहां के विभिन्न वार्डों में ना तो वहां पर कोई लाइट जल रही थी और ना ही पंखे आदि चल रहे थे। सबसे ज्यादा परेशानी तो उसे वार्ड में थी जहां पर महिलाओं तथा अन्य मरीजों का सर्जिकल हुआ था।वहां पर भर्ती मरीजों तथा उनके तीमारदार इस प्रचंड गर्मी में पसीने से तरबतर दिखाई दिए।किसी मरीज के तीमारदार के हाथों में पंखा दिखाई दिया तो कोई जिला चिकित्सालय द्वारा बनाए गए पर्चे से मरीज व खुद पर गर्मी से निजात पाने के लिए चल रहे थे। उस समय सबसे ज्यादा परेशानी सर्जिकल कराए हुए मरीजों को हो रही थी।इस गर्मी में चाह कर भी हुए कहीं बाहर नहीं जा पा रहे थे।इस गंभीर समस्या पर फरसा हाल लेने वाला कोई अधिकारी नहीं दिखाई दिया जिसके चलते वहां पर भर्ती मरीजों तथा उनके तीमारदारों में जिला चिकित्सालय के अधिकारियों तथा कर्मियों के प्रति आक्रोश दिखाई दे रहा था। उसे दौरान वहां पर लगे जनरेटर भी काम नहीं कर रहे थे सभी बंद पड़े हुए थे।इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय डॉ एके सिन्हा ने बताया कि सोमवार की दोपहर में लगभग 12रू30 बजे जनरेटर पर अधिक लोड पड़ने के कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया था। जिसके चलते जिला चिकित्सालय के कुछ वार्डों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी।लेकिन थोड़ी ही देर में जिला चिकित्सालय के सभी वार्डों में विद्युत आपूर्ति बहाल हो गई थी।

धरती के भगवान का यह आलम जिंदा तो छोड़िए लाश के इलाज के नाम पर वसूल रहे पैसे

अयोध्या।कोतवाली नगर क्षेत्र के देवकाली स्थित चिल्ड्रन हॉस्पिटल मे नवजात शिशु की मौत पर परिजनों ने जमकर हंगामा काटा।इसकी सूचना पाकर स्थानीय पुलिस ने आनन फानन में नवजात बच्चे के शव को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।पीड़ित जूढा पट्टी बल्दीराय,थाना कूरेभार जिला सुल्तानपुर सुल्तानपुर निवासी गौरव मिश्रा ने बताया कि गुरु कृपा हॉस्पिटल में उसकी पत्नी आराधना मिश्रा ने 9 मई को नवजात शिशु को जन्म दिया था। यहां पर तैनात चिकित्सक ने बताया कि शिशु का जन्म समय से पूर्व हुआ है।जिसके चलते नवजात शिशु की अधिक खराब थी और उसे वेंटीलेटर की जरूरत थी। लेकिन गुरु कृपा हॉस्पिटल में वेंटिलेटर उपलब्ध नहीं था जिसके चलते उसी दिन 9 मई की रात में ही पीड़ित गौरव मिश्रा ने अपनी पत्नी तथा नवजात शिशु को देवकाली स्थित चिल्ड्रन हॉस्पिटल में भर्ती कराया।पीड़ित ने बताया कि चिल्ड्रन हॉस्पिटल के चिकित्सक डा. अंकुश शुक्ला ने इलाज के नाम पर पैदा होने के 1 घंटे बाद डा. अंकुश शुक्ला ने शिशु को बीमार बताकर अपने हॉस्पिटल अयोध्या चिल्ड्रेन हॉस्पिटल इलाज के लिए ले गए।पीड़ित ने तहरीर में बताया जबकि बच्चा पूर्ण रूप से स्वस्थ था।पीड़ित ने जब गुरुकृपा के स्टाफ से शिशु के विषय में पूछा गया तब उन्होंने डा० अंकुश के यहाँ जाने के लिये कहा।पीडित जब अयोध्या चिल्ड्रेन हॉस्पिटल पहुँचा तो डा० अंकुश द्वारा बताया गया कि शिशु के फेफड़े में इन्फेक्शन है।यह बात बताकर चिकित्सक ने पीड़ित से दो दिनों तक दवा व इलाज के नाम पर तकरीबन 2,00,000/– (दो लाख रूपया) कई बार में कैश व ऑनलाइन पेमेंट के आधार पर लिये गये। और जब पीड़ित ने पूछा कि आप मेरा बच्चा गुरुकृपा से हमको बिना सूचित किये क्यों उठा लाये तो उन्होंने बताया कि वहाँ पर इलाज की सुविधा नहीं थी और मौके पर इलाज जरूरी था।बताया कि सोमवार को प्रातरू 9रू00 बजे के आसपास अस्पताल से मेरे पास फोन आया कि आपके बच्चे की हालत खराब है उसे वेंटिलेटर पर रखना है तो प्रार्थी ने उनको वेंटिलेटर पर रखने से मना किया और दूसरी जगह दिखाने की बात की परन्तु जब तक प्रार्थी उनके पास पहुँचा तो उन्होंने जानबूझ कर बच्चे को वेंटिलेटर पर रख दिया।जब प्रार्थी ने उनसे मना करने के बाद वेंटिलेटर पर रखने का विरोध किया तो डा० अंकुश शुक्ला व उनका स्टाफ मारपीट पर उतारू हो गये और कहा कि वेंटिलेटर आदि का चार्ज जमा करो तब तुमको बच्चे को ले जाने देंगे।बताया कि लगभग तिरपन हजार रूपये जमा करके जब लगभग 9रू45 के आसपास डा० के० एन० कौशल सिविल लाइन के चिकित्सालय पर लाया गया तो डा० के एन कौशल द्वारा बताया गया कि उक्त शिशु की मौत तीन घंटे पूर्व ही हो चुकी है।प्रार्थी के बच्चे को बिना प्रार्थी को सूचित किये अस्पताल से उठा कर अपने निजी अस्पताल में रखकर इलाज के नाम पर पैसे ऐंठना एवं मृत बच्चे को वेंटिलेटर पर रखकर भी प्रार्थी से जबरदस्ती पैसे ऐंठे गये। इस बात को सुनते ही मृतक शिशु के परिजनों ने चिल्ड्रन हॉस्पिटल पर आकर हंगामा किया।पीड़ित ने एसएसपी को दिए गए तहरीर के माध्यम से बताया स्वास्थ्य के नाम पर ठग कर मृत शरीर से पैसा ऐंठने वाले डा० अंकुश शुक्ला एवं गुरुकृपा हॉस्पिटल पर उचित कार्यवाही करते हुये प्रार्थी की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने की कृपा करें। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे ने बताया कि पीड़ित द्वारा दी गई तहरीर पर जांच की जा रही है।जांच में दोषी पाए जाने पर दोषियों पर कार्यवाही की जाएगी।

प्रदेश सरकार द्वारा जनपद में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की राज्य मंत्री ने लिया समीक्षा बैठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राज्यमंत्री(स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चंद्र यादव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नगर पालिका, डूडा, जल निगम, पर्यटन विभाग, एसटीपी, सिवरेज, लोक निर्माण विभाग, गैस पाइप लाइन एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में राज्यमंत्री के द्वारा जल निगम विभाग के द्वारा बनाई जा रही सड़कों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि शीघ्र ही सभी सड़के रिस्टोर कर दी जाए। उन्होंने अधीक्षण अभियंता जल निगम शहरी सचिन सिंह से घरो के पाइप कनेक्शन से संबंधित जानकारी प्राप्त की। राज्यमंत्री के द्वारा निर्देशित किया गया कि जल निगम विभाग के द्वारा कार्य को पूर्ण कराए जाने के उपरांत ही अन्य कार्यदाई संस्था धविभाग के द्वारा सड़के बनाई जाए जिससे उन्हें दोबारा खोदना न पड़े। शकरमंडी के पास नवनिर्मित सड़क खोदे जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। इसके साथ ही राज्यमंत्री के द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए कि बिना अनुमति के कोई भी सड़क खोदी न जाए, इसके लिए एक योजना बनाई जाए जिससे कि बार–बार सड़के खोदे जाने की समस्या उत्पन्न न हो। राज्यमंत्री के द्वारा इंडियन ऑयल कंपनी के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि उनके द्वारा जनपद में क्या कार्य कराए जाने हैं इसका एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दे। उन्होंने मियापुर, हुसैनाबाद, रामनगर भडसरा, मतापुर की सड़कों का प्रस्ताव दिए जाने के निर्देश प्रभारी अधिकारी डूडा को दिया गया। राज्यमंत्री जी के द्वारा निर्देश दिया गया कि कोई भी सड़क कहीं पर भी टूटी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए समुचित प्रयास किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने माँ शीतला चौकिया धाम के सौंदर्यीकरण कार्य की विस्तृत समीक्षा की और उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट पूर्ण होने के बाद मंदिर की प्रतिष्ठा और भी बढ़ जाएगी। इसके साथ ही पर्यटकों की संख्या में भी वृद्धि होगी। मा० राज्यमंत्री जी के समक्ष कार्यदाई संस्था के द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से जानकारी दी गई, जिस पर मा. मंत्री जी के द्वारा रिवाइज एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी के द्वारा राज्यमंत्री को आश्वस्त कराया गया कि उनके द्वारा दिए गए सुझावो का शत–प्रतिशत पालन कराते हुए अवगत उन्हें कराया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, पर्यटन सूचना अधिकारी मीनाक्षी यादव, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य उपस्थित रहे।

छात्रा श्रेया सिंह का यूपीसीएसटी समर इंटर्नशिप में चयन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग की प्रतिभावान छात्रा श्रेया सिंह का चयन उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (U-P- C-S-T.) द्वारा आयोजित समर इंटर्नशिप प्रोग्राम के लिए हुआ है। इस उपलब्धि के तहत श्रेया को आईआईटी, आईआईएसईआर, सीएसआईआर अथवा देश के अन्य प्रतिष्ठित विज्ञान शोध संस्थानों में कार्य का अवसर प्राप्त होगा। यह चयन श्रेया की वैज्ञानिक प्रतिभा, परिश्रम और अकादमिक उत्कृष्टता का परिचायक है। इस अवसर पर विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष एवं बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर राजेश शर्मा, डॉ. एस. पी. तिवारी, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता सहित अन्य शिक्षकों ने श्रेया को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल बॉयोटेक्नोलॉजी विभाग के लिए गर्व का विषय है, बल्कि अन्य छात्रों को भी अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा देगी। यह सफलता पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं अनुसंधान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बुद्ध ने अहिंसा, करुणा और समानता के सिद्धांतों पर जोर दिया : अजीत सिंह बब्बन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में भगवान बुद्ध के चित्र पर पुष्प अर्पित किये। इस अवसर उन्होंने कहा महात्मा बुद्ध जो गौतम बुद्ध के नाम से भी प्रसिद्ध है, वह विश्व के महान दार्शनिकों में से एक हैं। उनका जन्म 563 ईसा पूर्व में नेपाल के लुम्बिनी में हुआ था। युवावस्था में ही उन्होंने सांसारिक दुखों को देखकर सत्य की खोज में अपना राजसी जीवन और राजसी ठाँठ–बांठ को त्याग दिया और

योग माया की ओर चल पड़े। बुद्ध ने कुरीतियों का विरोध किया, लेकिन वेदों और उपनिषदों के दार्शनिक विचारों को भी अपने दर्शन में शामिल किया। उनकी शिक्षाओं का गहरा प्रभाव मध्यकालीन विचारक कबीरदास और आधुनिक विचारक डॉ. अंबेडकर और राहुल सांकृत्यायन पर भी पड़ा। बुद्ध की मृत्यु के बाद, उनके शिष्यों ने उनकी शिक्षाओं को संहिताबद्ध किया, जिन्हें त्रिपिटक के रूप में जाना जाता है। इनमें विनय पिटक, सुत पिटक और अभिधम्म पिटक शामिल हैं, जो पाली भाषा में लिखे गए हैं। उन्होंने चार आर्य सत्यों और अष्टांगिक मार्ग का उपदेश दिया, जो नैतिक आचरण, मानसिक अनुशासन और ज्ञान पर आधारित हैं। बुद्ध ने अहिंसा, करुणा और समानता के सिद्धांतों पर जोर दिया, जो आज भी प्रासंगिक हैं। उनकी शिक्षाएं न केवल बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ हैं, जो शांति, सद्भाव और आत्म–ज्ञान की ओर ले जाती हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा ओम वर्मा जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक मंडल प्रभारी सुभाष पांडे सह मीडिया प्रभारी सत्यम शुक्ल नगर अध्यक्ष मुदित बाजपेई हरदोई ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह पूर्व नगर अध्यक्ष अजीत उपाध्याय ऋषभ त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

मैं अवतारों की जननी हूं, रचियता हूं, मैं नारी हूं मातृ दिवस पर हरदोई में हुआ महिला सम्मान समारोह

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

मातृ दिवस के अवसर पर रविवार को रसखान प्रेक्षागृह में वीटू क्लब व आई एन न्यूज के संयुक्त तत्वावधान में ष्सृजनहाररू अविरल नेह धाराष के अंतर्गत महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मातृशक्ति के सम्मान और नारी सशक्तिकरण पर केंद्रित अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके पश्चात स्मारिका श्प्रवाहश का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध कवियत्री अंजू सिंह और शिक्षिका अपूर्वा मिश्रा अल्का गुप्ता ने काव्यपाठ कर सभी को भावविभोर कर दिया। अंजू सिंह ने अपनी कविता ष्मैं अवतारों की जननी हूं...ष के माध्यम से नारी के विविध रूपों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं, अपूर्वा मिश्रा ने मां को जीवन रूपी दीपक की बाती बताते हुए उसकी महत्ता को सुंदर शब्दों में अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में डालसिंह मेमोरियल हाई स्कूल की प्रिंसिपल भूमिका सिंह, इनर व्हील क्लब की पूजा जैन, समाजसेवी अनुराधा मिश्रा, भाजपा महिला जिला अध्यक्ष अलका गुप्ता, जनसेवा संस्थान की प्रबंधिका निरमा देवी, कवियत्री अलका गुप्ता, शिक्षिका मंजू वर्मा और चिकित्सक डॉ. फराज रिजवी सहित कई गणमान्य महिलाएं शामिल रहीं। कार्यक्रम में मातृत्व, नारी सशक्तिकरण और सामाजिक योगदान को समर्पित भावनाओं ने उपस्थित जनों को प्रेरणा से भर दिया।

जिला महामंत्री भाजपा यूवा मोर्चा ऋषिकेश श्रीवास्तव शैकी का आकस्मिक निधन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,12 मई ।जिला महामंत्री भाजपा यूवा मोर्चा छोटे भाई ऋषिकेश श्रीवास्तव शैकी का हुसैनाबाद स्थित निवास पर इलाज के दौरान आज आकस्मिक निधन हो गया। एक साल पहले लखनऊ जाते समय थार

गाड़ी से रोड एक्सीडेंट में घायल हों गए थे तब से आज तक इलाज चल रहा था। सैंकी की असमय मृत्यु की खबर फैलते ही जिले भर में शोक की लहर दौड़ पड़ी। बीजेपी कार्यकर्ताओं से लेकर राजनीतिक, सामाजिक और युवा वर्ग में उनके निधन की खबर पर गहरा शोक जताया है है। ऋषिकेश न सिर्फ एक सक्रिय राजनीतिक कार्यकर्ता थे, बल्कि युवाओं में लोकप्रियता के चलते सामाजिक कार्यों में भी बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेते थे। उनके निधन पर बीजेपी के तमाम नेताओं, कार्यकर्ताओं और शहरवासियों कायस्थ समाज के लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। कई नेताओं ने कहा कि सैंकी का जाना पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए घर पर रखा गया है, जहां बड़ी संख्या में लोग उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंच रहे हैं। शैकी का जाना कायस्थ परिवार, भाजपा परिवार के लिए दुखद घटना है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों मे स्थान दे ।

मातृ दिवस पर सिटी कान्वेंट स्कूल में सम्मानित हुई माताएं

लखनऊ। सिटी कॉन्वेंट इंटर कॉलेज, बालागंज, लखनऊ के परिसर में 11 मई 2025 को माननीया मुख्य अतिथि डॉ. मीनाक्षी सिंह (प्रोफेसर आईटी कॉलेज, लखनऊ) जी की उपस्थिति में मातृ दिवस मनाया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. मीनाक्षी सिंह (प्रोफेसर आईटी कॉलेज, लखनऊ) ने मेधावी छात्रों और उनकी माताओं को सम्मानित किया तथा साथ ही छात्रों और उनकी माताओं को शैक्षणिक पुरस्कार भी प्रदान किए। मुख्य अतिथि डॉ. मीनाक्षी सिंह (प्रोफेसर आईटी कॉलेज लखनऊ) का विशेष अभिनंदन निर्देशिका श्रीमती पूनम सिंह जी ने किया। मुख्य अतिथि ने उपस्थित लोगों को माताओं का महत्व बताया तथा माताओं और बच्चों को अपना आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम का समापन प्रधानाचार्या श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी जी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया ।

गंगा समग्र की प्रांतीय बैठक में श्रीपति जी को बनाया गया काशी प्रान्त संरक्षक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गंगा समग्र, काशी प्रांत की प्रांतीय बैठक अशोका वर्ल्ड स्कूल जमालपुर, जौनपुर में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर गंगा समग्र के राष्ट्रीय मंत्री और वरिष्ठ प्रचारक रमाशंकर जी रहे। वहीं क्षेत्रीय संगठन मंत्री संजय जी और प्रांत संयोजक राकेश मिश्रा उपस्थित रहे। बैठक कुल तीन सत्रों में संपन्न हुआ, जिसमे उद्घाटन सत्र में दीप प्रज्जवलन के उपरान्त बैठक को संबोधित करते हुए गंगा समग्र के राष्ट्रीय मंत्री रामाशंकर जी कहा कि संपर्क और वैचारिक माध्यम से ही कार्यकर्ताओं का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ के दौरान गंगा समग्र के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न परिस्थितियों में सराहनीय कार्य किया। श्रीमान रमाशंकर जी ने कहा कि हमारे सामने गंगा की निर्मलता बहुत बड़ा प्रमाण है, यह है की प्रदूषण मुक्त गंगा का जल लंबे समय तक लोगों के लिए निश्चित मन से उपयोगी बना रहता है। चाहे वह प्रवाहित जल हो या घर में रखा हुआ हो। उन्होंने कहा कि गंगा की निर्मलता की तरह ही देश की अन्य प्रमुख नदियों की निर्मलता और जल संस्थाओं के स्वच्छता का प्रयास हो रहा है। कहा कि गंगा समग्र राष्ट्रीय स्तर पर छोटी बड़ी नदियों तालाबों कुओं आदि के पुनर्जीवन के लिए काम कर रहा है।

बैठक के दूसरे सत्र को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय संगठन मंत्री एवं वरिष्ठ प्रचारक श्रीमान संजय जी ने काशी प्रान्त से आये सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की काशी प्रान्त अपने सभी जिले अपने क्षेत्र में प्रवाहित नदियों की अविरलता और निर्मलता बनाये रखने को संकल्पित गंगा समग्र सभी जिलो को पहले सम्पर्क–युक्त फिर कार्ययुक्त और उसके बाद विकसित जिला बनाये। बैठक में कार्यकर्ताओं को वर्षभर के कार्यों के बारे में समझाते हुए एक संकल्प–पत्र (जिला वार्षिक कार्य–योजना) के बारे में उल्लेख किया, जिसमे सभी जिलों में खण्डध् वार्ड समितियां बनाना, नदियों के तट से 3 से 5 किलोमीटर के गाँव को गंगा ग्राम एवं बस्तियों को गंगा बस्ती बनाना, वार्षिक योजना बनाकर नदियों एवं तालाबों पर कार्य करना, गंगा–आश्रित परिवारों से सम्पर्क करना, वृक्षारोपण के स्थान एवं उसको संख्या निर्धारित करना, 04 मई से 05 जून के तक जन–जागरण मास (वैशाख शुक्ल सप्तमी से ज्येष्ठ शुक्ल दशमी) में आयोजित कार्यक्रमों की सूचि एवं योजना बनाना, इत्यादि पर विस्तृत चर्चा की।

समापन सत्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री जी ने काशी प्रान्त के संरक्षक के लिए श्रीपति सिंह जी के नाम की घोषणा किया तदोपरान्त प्रान्त संयोजक राकेश मिश्रा ने संगठन को मजबूत बनाने के लिए जोर देते हुए नए कार्यकर्ताओं के नाम की घोषणा किया जिसमे संजय सिंह जिला संयोजक एवं अयोध्या प्रसाद मिश्रा सह संयोजक सुल्तानपुर, अनुराग द्विवेदी सह संयोजक भदोही, राम रसद सिंह सह संयोजक चुनार, राजेश जी पालक प्रयाग विभाग एवं अजय पाल जी को सदस्य प्रान्त शैक्षणिक आयाम बनाया गया।

बैठक में स्कूल के प्रबंधक और जिला संयोजक डा संजीव मौर्या, दिवाकर द्विवेदी, नीलम जी, राज नारायण जी, रणदीप जी, स्वामी आत्मानंद, अवध नारायण जी, जीतेन्द्र जी, साहब लाल जी, उमेश जी, रश्मि सिंह, भृगु नारायण पाठक, अजय सिंह, चन्द्र प्रकाश जी, अम्बरीष जी विभाग संगठन मंत्री, डॉ प्रवीण जी,अशोक कुमार सिंह, डा श्रवण कुमार मिश्रा,अतुल सिंह, मोती मनीष द्विवेदी, दीपक श्रीवास्तव जी, आदि लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद् सह प्रांत संयोजक डा अभिषेक श्रीवास्तव ने किया।उक्त आशय की जानकारी संचार आयाम प्रमुख दीपक श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

अनुराग पंडित हत्या कांड के आरोपी विनीत सिंह ने न्यायालय में किया आत्मसमर्पण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरपतहा थाना क्षेत्र के उपाध्यायपुर में हुए अनुराग पंडित हत्याकांड में आरोपी विनीत सिंह ने सोमवार को दीवानी न्यायालय में सीजेएम कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। इससे पहले मुख्य आरोपी पंकज ने भी 22 अप्रैल को देर शाम न्यायालय में समर्पण किया था। 9 अप्रैल को अनुराग पंडित का शव उनके घर से 200 मीटर दूर एक आम के बाग में मिला था। मृतक के बड़े भाई अनुपम पंडित ने खुटहन थाना क्षेत्र के फतेहगढ़ निवासी पंकज सिंह और धिरौली नानकार निवासी परमेश यादव के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस की जांच में पांच लोगों की संलिप्तता सामने आई। इनमें से परमेश यादव, शिवम यादव और मनोज बिंद को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। पंकज और विनीत फरार हो गए थे। मृतक के भाई अनुपम ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस निष्क्रिय रही, जिससे मुख्य आरोपियों को न्यायालय में सरेंडर करने का मौका मिला। इस मामले में क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजित सिंह चौहान का कहना है कि पुलिस लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दे रही थी, जिसके दबाव में आरोपियों ने आत्मसमर्पण किया है।

पद्मश्री बाबा योगेंन्द्र जी की स्मृति में २६ मई को विभा जी एवं उनकी मंचीय कला टोली सदस्यों के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संस्कार भारती, अवध प्रांत की प्रांतीय कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक लखनऊ में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष सीताराम कश्यप ने की, जबकि इसमें पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रमुख देवेन्द्र जी एवं उत्तर प्रदेश के सह महामंत्री गिरीश चंद्र जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में प्रांत स्तर के सभी पदाधिकारीगण एवं विशेष आमंत्रित सदस्यगण शामिल हुए। मंचीय कला संयोजिका (अवध प्रांत) की ओर से मैं स्वयं वंहा उपस्थित रही अगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर बैठक में प्रस्तुत की तथा पद्मश्री बाबा योगेंन्द्र जी की स्मृति में २६ मई को विभा जी एवं उनकी मंचीय कला टोली सदस्यों के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा । बैठक में विनीत जी ने दृष्य कला संयोजक विनीत जी ने आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।